सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 327
18/04/2017

स्मृति यात्रा में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना, 18 अप्रैल 2017 :– आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार पूर्वी चम्पारण मोतिहारी में चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित स्मृति यात्रा (पद यात्रा) में शामिल हुये। स्मृति यात्रा चंद्रहिया से मोतिहारी तक आयोजित की गयी थी। यात्रा के क्रम में सबसे पहले चंद्रहिया में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में मुख्यमंत्री शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने गॉधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही 'चंद्रहिया का महत्व शिलापट्ट' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चंद्रहिया में चम्पा पौधा का वृक्षारोपण किया। स्मृति यात्रा का चंद्रहिया से हरी झंडी दिखाकर शुरूआत की गयी। चंद्रहिया से मोतिहारी सात किलोमीटर लंबी पद यात्रा मोतिहारी में समाप्त हुयी। मोतिहारी गॉधी बाल उद्यान में मुख्यमंत्री ने गॉधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया।

स्मृति यात्रा पूरी होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के सिलसिले में आज चंद्रहिया से मोतिहारी तक की स्मृति यात्रा आयोजित की गयी थी। गॉधी जी 15 अप्रैल 2017 को मोतिहारी पधारे थे। यहॉ आने के बाद उन्हें जानकारी मिली कि जशौलीपट्टी के किसानों पर जूल्म हुआ है। गॉधी जी ने 16 अप्रैल को जशौलीपट्टी जाने का निर्णय लिया और मोतिहारी से जशौलीपट्टी के लिये निकले। रास्ते में चंद्रहिया में उन्हें नोटिस दिया गया कि आपको चम्पारण छोड़ना है। गॉधी जी चंद्रहिया से मोतिहारी वापस आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है इसलिये आज के दिन स्मृति यात्रा का आयोजन किया गया है। 18 अप्रैल 1917 को गॉधी जी की एस0डी0एम0 कोर्ट में पेशी हुयी थी, जहॉ पर उन्होंने ऐतिहासिक वक्तव्य दिया था। एस0डी0एम0 कोर्ट में उन्होंने कहा कि आपने जो मेरे ऊपर प्रतिबंध लगाया है और वापस जाने को कहा है, मैंने उसका उल्लंघन किया है। ऐसा करने के लिये आपको जो भी सजा देनी है, दे सकते हैं। मैं चम्पारण में किसानों के दुख को देखने आया हूॅ। यहॉ जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जॉच पड़ताल करना है। यह मेरी अंतर्रात्मा की आवाज है। हम किसी भी सूरत में यहॉ से वापस नहीं जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंततोगत्वा एस0डी0एम0 ने 21

अप्रैल 1917 की तारीख फैसला सुनाने के लिये निर्धारित किया। इससे पहले ही उस समय के लेफ्टिनेंट गवर्नर की सरकार ने गॉधी जी पर जो मुकदमा चलाया जा रहा था, उसे वापस ले लिया। 18 अप्रैल को कोर्ट में दिया गया गॉधी जी का वक्तव्य ऐतिहासिक एवं स्मरणिय है, यही सत्याग्रह की मूल भावना है इसलिये आज के दिन स्मृति यात्रा का आयोजन किया गया है। आज स्मृति सभा का भी आयोजन है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार गॉधी जी 22 अप्रैल को बेतिया गये थे। राजकुमार शुक्ल जिन्होंने गॉधी जी को चम्पारण आने के लिये आमंत्रित किया था। उनके घर को उजाड़ दिया गया था। 27 अप्रैल को गॉधी जी वहॉ गये थे। वहॉ भी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बापू का संदेश था कि मेरा जीवन ही संदेश है। बापू के संदेश को जन–जन तक हम पहॅुचाना चाहते हैं। नई पीढ़ी को बापू के विचारों से अवगत कराना चाहते हैं। पूरे साल चम्पारण सत्याग्रह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। आप सभी आज स्मृति यात्रा में शामिल हुये, इसके लिये मैं सभी को बधाई देता हॅू और इस अवसर पर बापू के चरणों में श्रद्धा–सुमन अर्पित करता हॅू।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ0 मदन मोहन झा, विधान पार्षद श्री सतीश कुमार, विधायक श्री राजेन्द्र कुमार राम, विधायक श्री फैसल रहमान, विधायक श्री राजेश कुमार, विधायक श्री शमीम अहमद, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास श्री चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

******